

**MASA-02**

December - Examination 2017

**M.A. (Previous) Sanskrit Examination**

ललित साहित्य एवं नाटक

**Paper - MASA-02****Time : 3 Hours ]****[ Max. Marks :- 80**

**निर्देश :** यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड - 'अ'****8 × 2 = 16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

- 1) (i) 'मेघदूत' में किसकी कहानी है?
- (ii) 'मेघदूत' में किस नगरी का मार्गदर्शन किया जाता है?
- (iii) कालिदास के दो गीतिकाव्यों के नाम लिखिए।
- (iv) "मेघदूत" किस प्रकार का काव्य है?
- (v) कालिदास किस गुण के कवि हैं?
- (vi) 'मृच्छकटिकम' का अर्थ क्या है?

(vii) मुक्तक काव्य क्या है?

(viii) दो प्रमुख अभिनय कौन से हैं?

**खण्ड - ब**

**4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

- 2) निम्न में किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिये।
  - (i) त्वामालिख्य प्रणयकुपितां धातुरागैः शिलाया-  
मात्मानं ते चरण पतितां यावदिच्छामि कर्तुम्।  
अस्तैस्तावन्मुहुकपचिततर्दृष्टिरालुप्यते मे  
क्रूरस्तस्मिन्नपि न सहते सद्भामं नौ कृतान्तः॥
  - (ii) गुणेषु यत्नः पुरुषेण कार्यो न किञ्चिदप्राप्यतमं गुणानाम्।  
गुणप्रकर्षाद्दुडुपेन शम्भोरलङ्घ्यमुल्लङ्घितमुत्तमाङ्गम्॥
- 3) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिये।
  - (i) मन्दं मन्दं नुदति पवनश्चानुकूलो यथा त्वां,  
वामश्चायं नदति मधुर चातकस्ते सगन्धः।  
गर्भाधानक्षण परिचयान्नुनमाबध्दमालाः  
सेविष्यन्ते नयन सुभगं खे भवनं बलाकाः॥
  - (ii) एता हसन्ति च कदन्ति च वित्तहेतो -  
विश्वासयन्ति पुरुषं न तु विश्वसन्ति।  
तस्मान्नरेण कुलशीलसमन्वितेन,  
वेश्याः श्मशानसुमना इव वर्जनीयाः॥
- 4) 'मुद्राराक्षस' की कथा संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत कीजिये।

- 5) चतुर्विध अभिनय की समीक्षा कीजिये।
- 6) चारुदत्त का चरित्र चित्रण कीजिये।
- 7) रस क्या है और कितने हैं?
- 8) 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' नाट्य का संक्षिप्त परिचय दीजिये।
- 9) रूपक की परिभाषा देते हुए दस रूपकों का उल्लेख कीजिये।

**खण्ड - स**

**2 × 16 = 32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

- 10) चाणक्य और राक्षस के चरित्र की तुलनात्मक समीक्षा कीजिये।
- 11) रससिद्धदान्त के प्रमुख व्याख्याकारों के रसविषयक मत की समीक्षा कीजिये।
- 12) विशाखदत्त की नाट्य कला का वर्णन कीजिये।
- 13) 'मृच्छकटिकम्' नाट्य के नायिका का चरित्र चित्रण प्रस्तुत कीजिये।

\_\_\_\_\_